22 लाख का पैकेज छोड़ शुरू किया स्टार्टअप, लोगों ने कहा पागल हो

हम फाउंडेशन के 'द हम ट्री टॉक्स' में देशभर से आए स्टार्टअप के फाउंडर और को-फाउंडर ने प्रजेंटेशन में बताया संघर्ष और सफलता

Startup Seminar

सिटी रिपोर्टर | ग्वालियर

बात 2003 की है, इंजीनियरिंग की डिग्री पूरी करते ही एक कंपनी में प्लेसमेंट हो गया था। हर महीने 32 हजार रुपए सैलरी से शुरुआत हुई। इस दौरान आईआईएम बेंगलुरू से कोर्स किया, जिसका फायदा जॉब में मिला। सैलरी बढ़ी और 2013 तक 22 लाख रुपए सालाना पैकेज मिलने लगा।

हेमंत शर्मा

कई बार यूनिवर्सिटी और इंस्टीट्यूशंस में स्ट्रक्टमेंट करने भी गया। तब पाया कि कंपनी जो स्किल स्टूडेंट्स में चाहती हैं वो उनमें बहुत कम हैं। तय किया कि ऐसे स्टार्टअप की शुरुआत करूंगा जो संस्थानों में स्टूडेंट्स की स्किल डवलप करेगा। 4 दोस्तों से बात की। घर बताया कि ऐसा करने जा रहा हूं तो सभी ने कहा कि 22 लाख का पैकेज छोड़ना पागलपन है। किसी की नहीं सुनी और 8 लाख रुपए इन्वेस्ट कर वी-नर्ट टेक्नोलॉजी सॉल्यूशन नाम से स्टार्टअप शुरू किया। आज इससे देश और विदेश के 100 से ज्यादा कंस्लटेंट जुड़े हैं। यह कहना है स्टार्टअप के को-फाउंडर हेमंत शर्मा का। हम फाउंडेशन के कार्यक्रम में उन्होंने अपना प्रजेंटेशन दिया।

कार्यक्रम में विभिन्न स्टार्टअप के फाउंडर ने युवाओं को टिप्स भी दिए। फोटो: भास्कर

स्टार्टअप, जो बैग पैकर्स टूरिस्ट के लिए शुरू हुआ

यह कहानी है स्मृति गुप्ता की। बेंगलुरू से बीटेक करने के बाद स्कॉटलैंड की यूनिवर्सिटी से एमएससी की पढ़ाई की तैयारी की। इसके लिए स्कॉलरशिप भी मिस रही थी, लेकिन आखिरी समय में फैसला बदल दिया। ट्रेवलिंग का शौक रहा, इसलिए कॉन्सेप्ट आया कि बैग पैकर्स टूरिस्ट लोकल कम्युनिटी के बीच रहना चाहते हैं। इसके लिए स्टार्टअप शुरू किया जाए। कॉन्सेप्ट पापा को बताया। पापा बिजनेसमैन हैं उन्होंने कहा कि प्रजेंटेशन से बताओ क्या करना चाहती हो। प्रजेंटेशन दिया, पापा को पसंद आया और स्टार्टअप की शुरुआत हो गई। इसके लिए देशभर में अलग-अलग कम्युनिटी सेलेक्ट की गई हैं।

20 हजार से शुरू हुए स्टार्टअप का टर्न ओवर करोड़ में

शहर की तृप्ति तिवारी ने 3 साल पहले क्लाउड ट्रेस नाम से एक स्टार्टअप की शुरुआत की। बेंगलुरुशन के दौरान तक तृप्ति का मन जॉब करने का था लेकिन एक कार्यक्रम में उनकी मुलाकात विभिन्न स्टार्टअप के फाउंडर्स से हुई और तृप्ति ने खुद का स्टार्टअप शुरू करने का मन बना लिया। 3 साल पहले 20 हजार रुपए से छोटी सी जगह से इसकी शुरुआत की। इतनी कम अवधि में स्टार्टअप में आज 60 से ज्यादा एम्पलॉयी हैं और ऑफिस की संख्या एक से बढ़कर 3 हो गई है। तृप्ति कहती हैं कि जब मैंने इसकी शुरुआत की तो कुछ लोगों का कहना था कि लड़कियां स्टार्टअप नहीं चला सकतीं लेकिन मैंने उनकी यह मानसिकता बदली है। स्टार्टअप का टर्न ओवर करोड़ में है।